International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.340, Volume 03, No. 02(II), April - June, 2021, pp.81-85

न्यू मीडिया आर्ट – वर्तमान व भविष्य की कला

डॉ. कृष्णा महावर*
पूजा प्रजापत**

प्रस्तावना

न्यू मीडिया आर्ट 1960 के पश्चात् आरम्भ हुए कई कला आंदोलनों में से एक नई कला विधा है। न्यू मीडिया कला पूरी तरह तकनीकों पर आधारित कला है जैसे– डिजिटल आर्ट, कंप्यूटर आर्ट, वीडियो आर्ट, नेट आर्ट, आदि। इस शोध पत्र में हम इसी नई कला, जिसे समसामयिक कला क्षेत्र में न्यू मीडियाआर्ट के नाम से जाना समझा जाता है, उस पर एक समीक्षात्मक दृष्टि से अध्ययन करने का प्रयत्न कर रहे हैं। वर्तमान समय में सभी क्षेत्र डिजिटल हो गए है तो कला भी इससे अछूती नहीं रही है। कला ने जब तकनीक और डिजिटल यंत्रो के सहयोग से अपना कदम बढ़ाया तो "न्यू मीडिया कला" के रुप में हमारे समक्ष उपस्थित होती है। इसी वर्तमान ज्वलंत कला शैली पर ये शोध पत्र आधारित होते हुए इस विधा की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए उसके पक्ष, विपक्ष की भी पड़ताल करेगा। पिछले कुछ दशकों से अभिव्यक्ति के नवीन माध्यमों में विस्तार हुआ है। पारम्परिक रूप से हम कला को चित्रकला, रेखाचित्र, प्रिन्ट मेकिंग, मूर्तिकला, तथा फोटोग्राफी (जो कि बाकी शैलियों से थोड़ा नया है) के रूप में ही जानते है। आधुनिक युग में हम फिल्म और टेलिविजन को भी इसमें शामिल कर लेते है। कम्प्यूटर ग्राफिक के विकास ने फिल्म निर्माण के द्वारा डिजिटल आधारित कला को दर्शकों के सम्मुख रखा है। नवीन मीड़िया पर आधारित कला के कुछ क्षेत्रों में इन्फॉर्मेशन कला, चलायमान (काइनेटिक) मूर्तिशिल्प, आर्गेनिक तथा एल्गोरिद्मिक कला, इन्टरेक्टिव कला, मशीनिमा तथा गेम डिजाइन आदि का आगमन हो चुका है। पिछले कुछ दशकों से इन माध्यमों में कला अभ्यास भी हो रहा है। इसकी इंटरनेट से अति निकट संबंध होने की वजह से न्यू मीडिया कला शुरुआत से ही दुनियाभर में प्रचलित रही।

न्यू मीडिया कला की एक ऐसी शैली है जो नई मीडिया तकनीक जैसे–डिजिटल कला, कम्प्यूटर ग्राफिक, कम्प्यूटर एनिमेशन, वर्चुअल कला इन्टरनेट आर्ट, इंटरएक्टिव आर्ट, विडियो गेम्स, कम्प्यूटर रोबोटिक्स और बायोटेक्नोजिकल कला के रूप में होती है । यह कला सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव के रूप में फलित हुई और पारम्परिक कलाओं जैसे पेटिंग, स्कल्पचर आदि के विरोधी रूप में देखी जा सकती है । कई कला स्कूल और प्रमुख यूनिवर्सिटी में अब नई शैलियों या "न्यू मीडिया" का अध्ययन करवाया जा रहा है। न्यू मीडिया कला हमेशा कलाकार और दर्शक के बीच एक संवाद स्थापित करती है। इसमें कलाकृति या देखने वाले के बीच एक सशक्त संप्रेषण भी होता है। न्यू मीडिया अधिकतर टेलिकम्युनिकेशन, मासमीडिया डिजिटल इलेक्ट्रोनिक मोड, आदि से जुड़ी होती है जिनका प्रयोग प्रत्ययवादी (कॉन्सेप्चुअल) कला को वर्चुअल कला में ले आना या पर्फोमेन्स को संस्थापन के, रूप में अभ्यास करते हुए किया जाता है।

1958 में वोल्फ वोसेल ऐसे पहले कलाकार बने जिन्होंने अपने कला कार्य में टेलीविजन का प्रयोग किया था – 'द ब्लैक रूम साइकिल ' (The Black Room Cycle) यह कला कार्य बर्लिनिस्क दीर्धा के संग्रह में है । 1960 में नई तकनीकों, विडियो आदि के कला प्रयोग करने में ''नेम जून पाईक''(Nam June Paik) , वाल्फ

* सहायक आचार्य, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
** शोधार्थी, ड्राईंग एवं पेन्टिंग विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

वोसेल (Wolf Vostell) के संस्थापन : 6 टीवी डि – कोलाज (6 TV De & Collage, 1963) है जो न्यूयार्क के स्मोलिन दीर्घा में स्थित है । मल्टीमीडिया परफॉर्मेंस , फ्लक्स कला, हैपनिंग, आदि न्यू मीडिया पर आधारित है। न्यू मीडिया कला की थ्योरी भी हाइपरटेक्स्ट , डाटाबेस और नेटवर्क के रूप में बढ़ रही है। मार्क ट्राइब (Mark Tribe) और रीना जाना (Reena Janu) ने अपनी किताब ''न्यू मीडिया आर्ट ''(New Media Art) में कुछ समकालीन न्यू मीडिया कला के विषय लिखे है जिनमें कम्प्यूटर कोलेबोरेशन, आइडेन्टीटी, अप्रोप्रिएशन, ऑपन सार्स, टेलीप्रजेन्स, कोरपोरेट पेरोडी, सर्वर, इन्टरनेन्शन और हेक्टिविज्म आदि शामिल है। न्यू मीडिया कलाकारों के कार्यों में अरैखिकता (नॉन – लिनियरिटी) एक मुख्य विषय होता है जो इन्टरेक्टिव, जेनरेटिव, कोलोबैरेटिव, इमर्सिव कला कार्य के रूप के रूप रूप में विकसित होता है। न्यू मीडिया कला को परिभाषित करना उतना ही कठिन प्रतीत होता है जितना कला को परिभाषित करना। समकालीन कला अभ्यास में न्यू मीडिया की पैठ निरन्तर चल रही प्रक्रिया है, हम कह सकते है कि न्यू मीडिया और तकनीक समकालीन कला क्षेत्र में शामिल होने आरम्भ हुये ही है। न्यू मीडिया सामान्यतः एक ऐसी शैली के रूप में देखा जाता है जिसमें तमाम कार्य न्यू मीडिया तकनीकों पर आधारित होते है। न्यू मीडिया एक ऐसा शब्द है जो सामान्यत ऐसी सामग्रियों के लिये काम में लिया जाता है जिसे इन्टरनेट द्वारा इच्छापूर्ति के लिए प्राप्त किया जाता है , जिसे किसी भी डिजिटल यंत्र द्वारा संचालित किया जा सकता है। अधिकतर प्रयोगकर्ता द्वारा एक प्रकार की रचनात्मक सहभागिता व परस्पर प्रतिक्रियात्मकताएँ होती है, एक परिभाषात्मक विशेषता यह हो सकती है कि न्यू मीडिया एक संवाद है, अंतर्संबंध है । हालांकि न्यू मीडिया का संबंध अधिकांशतः कला से नहीं माना जाता बल्कि समकालीन समाज में यह सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों के लिये अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन वर्तमान में न्यू मीडिया ने समकालीन कला अभ्यासों में भी अपना स्थान बना लिया है।

न्यू मीडिया पर आधारित परिभाषाएँ

न्यू मीडिया आर्ट को परिभाषित करने का निम्नतम सार्वजनिक भाजक यह दिखाई देता है कि यह कम्प्यूटरीकृत व एल्गोरिद्म पर आधारित है । (पॉल (Paul)–2008)

न्यू मीडिया आर्ट शब्द का अर्थ विस्तारित रूप में यह है कि यह इलेक्ट्रोनिक मीडिया तकनीकों पर आधारित है और वह उसके तीनों व्यवहारिक पहलु , अंतर्संम्बधता , आदान प्रदान तथा कम्प्यूरीकरण के साथ , किसी भी समूह में प्रदर्शित की जाती है । (ग्राहम , कुक –2018)

पॉल (Paul) के अनुसार एक आदर्श दर्शक , वर्ग वो है जो इस कला विद्या की जानकारी रखता है। यह न्यू मीडिया कला के नीश (Niche) दर्शक होते है वे कला ज्ञान से अधिक मीडिया ज्ञान रखते है और आगे जाकर यह भी कह सकते है कि हम जिस दुनिया में रहते है उसमें समकालिक दर्शकों को न्यू मीडिया व तकनीकों के असाधारण प्रभावों के दिखाने की एक लम्बी प्रक्रिया का अन्तिम चश्म है । और इस समाज को अच्छे से समझने की की सजगता के महत्व को भी बढाता है।

इतिहास– 1993 में '' dot-com ''की शुरूआत हुई। जिसमें दो यूरोपीय कलाकार जोन हिम्सकैर्क (Joan Feemskerk) तथा डर्क पिसमेन्स (Dirk Pacsmans) कैलिफोर्निया की सिलिकोन वेली घूमने गये । जब वे लौटे तब उन्होंने '' Jodi.org'' वेबसाइट बनाई जो वास्तव में कमाल की थी । उसके हरे रंग के टेक्स्ट तथा फ्लैश होती हुई आकृतियाँ वेब की एक नई चाक्षुष भाषा बनी । उन्होंने प्राप्त आकृतियों तथा HTML स्क्रिप्ट को दादावादियों की तरह मिश्रित कर दिया । श्रवकप.वतहने कई लोगों की इन्टरनेट की ओर देखने की अवधारणा को बदल दिया । यह बताते हुये कि यह प्रसारित सूचनाओं को मात्र नई तरीके से ही प्रस्तुत नहीं कर रहा बल्कि यह पेंटिंग, फोटोग्राफी और विडियों के समान एक कला कार्य भी बन रहा है । न्यू मीडिया कला के अन्य कार्यों के समान Jodi-org ने एक नवीनतम तकनीक को कलात्मक उद्देश्य से उपयोग किया ।

1994 का वर्ष डिजिटल संस्कृति और मीडिया तकनीकों से जुड़े इतिहासों का वर्ष था। नेटस्केप कार्पोरेशन ने पहला व्यवसायिक ब्राउजर बनाया जो कम्प्यूटर नेटवर्क से इन्टरनेट के ट्रांसफॉरमेशन सिग्नल देता है। इन्हें कम्प्यूटर पर कार्य करने वाले, अकादमिक व्यक्ति, शोधार्थी आदि अपने संप्रेषण, पब्लिशिंग और कॉमर्स के

लिए इस्तेमाल करते है । ऐसे कई शब्द जैसे –Net, web, Cyber space और (dot com) शीघ्र ही अन्तर्राष्ट्रीय विशिष्ट शब्दावली का हिस्सा बन गये और एक बहुत बड़े सामाजिक बदलाव का रास्ता खोल दिया। न्यू मीडिया तथा पुराने वर्गीकृत नाम – डिजिटल, कम्प्यूटर कला, मल्टीमीडिया कला तथा परस्पर संवादी कलाएँ अपरिवर्तनीय तौर पर इस्तेमाल किये जाते रहे परन्तु इनका प्रयोग सांस्कृति, राजनीतिक तथा सौन्दर्यात्मक संभावनाओं के लिये भी किया जाने लगा है । मीडिया कला के दो वर्ग किये जा सकते है– कला व तकनीक तथा मीडिया कला । कला व तकनीक से पर्याय है – इलेक्ट्रोनिक कला, रोबोटिक कला, जेनोमिक (Genomic) कला में कार्य जिनमें तकनीक शामिल है जो नयी है, परंतु आवश्यक रूप से मीडिया से संबंधित नहीं है । दूसरी और मीडिया कला में विडियों कला ट्रांसमिशन कला तथा प्रायोगिक फिल्में आदि आते है जो मीडिया तकनीकों को शामिल करते है जो 1990 तक इतने में नहीं थे नहीं थे। इस प्रकार न्यू मीडिया का दो क्षेत्रों में आवागमन है। जब कुछ यूरोपिय देशों में दादा आन्दोलन शुरू हुआ। ज्यूरिख, बर्लिन, कोलोग्न, पेरिस, न्यूयार्क में दादा कलाकार प्रथम विश्व युद्ध के कारण अस्तित्व में रहे एवं वे विध्वंस पूंजीपति अक्खड़पने के रूप में प्राप्त स्थितियों से परेशान भी रहे थे। जिसकी वजह से उन्होंने नवीन विचारों व कलात्मक अभ्यासों के साथ प्रयोग करना आरम्भ कर दिया था। उनमें से कईयों ने पूरी 20वीं सदी के दौरान विभिन्न आकारों और संदर्भो को पुनः प्रकट किया। अधिकांशतः दादावादी कार्य युद्धोपरान्त औद्योगीकरण तथा आकृतियों व लेखों के तकनीकी रिप्रोडक्शन की प्रतिक्रिया ही था। न्यू मीडिया कला को सूचना तकनीक क्रांति तथा सांस्कृतिक आकारों के डिजिटलीकरण के प्रति संवादात्मक प्रतिक्रिया के रूप में ही देखा जा सकता है।कई दादावादियों की कार्यप्रणाली न्यू मीडिया कला के रूप में दिखाई देती है जैसे – फोटो मोन्ताज. कोलाज, रेडीमेड वस्तुएँ. राजनीतिक कृत्य, तथा परफॉर्मेंस, साथ ही दादावादियों के व्यंग्योक्ति तथा बेतुके कार्यो के उत्तेजक प्रयोग उदासीन दर्शकों पर किये।

मार्शेल द्युशां के रेडिमेड कार्यों में अनगिनत न्यू मीडिया कार्य थे जो एलेक्से शुल्गिन (Alexel shuigin) के 'wwwart Award' ls RSG ds 'prepured piny staion' (2005) तक। जार्ज ग्रुज (George Grosz), जोन हार्टफिल्ड (John Heartfield) तथा अन्य बर्लिन दादावादियों के कार्य जिन्होंने कला और राजनीति की सीमा रेखा को धूमिल कर, न्यू मीडिया कला के शुरूआती कार्यकर्ताओं के रूप में कार्य किया।

पोपकला भी एक अन्य महत्वपूर्ण पूर्वगामी है। पोप चित्र व मूर्तिशिल्पों के समान न्यू मीडिया कला थी ली व्यवसायिक संस्कृति के साथ जुड़ी व शामिल है। पोप कलाकारों के समान ही जिसमें रॉ लिच्टेसटेन (Roy Liechtenstein) ने अपनी कृतियों में कॉमिक बुक की आकृतियों को ही बनाया) न्यू मीडिया कलाकार युगल थोम्पसन (Thompson) तथा काइहैड (Craighead) ने 1998 में Trigger Happy में एक विडियो गेम किया । लिचटेसटेन द्वारा कॉमिक बुक में प्रयुक्त बेन्डे डॉट् की सावधानी पूर्ण अनुकरण तथा अन्य समकालिन प्रिन्ट मीडिया ने ही अन्य कलाकारों जैसे ईबॉय (Eboy) के कार्य , जिन्होंने पिक्सलों की आकृतियों का कष्टपूर्ण कार्यों का पथ प्रदर्शन किया । पोप कलाकारों ने कॉमिक किताबों , विज्ञापनों , मेगजिन आदि की आकृतियों को कैनवास पर तैल चित्रों वाली उच्च कला में गढ़ा जिससे वे उस पोपुलर संस्कृति से थोड़ा दूरी बना पाये । न्यू मीडिया कला , विडियों कला के समानान्तर है । 1960 में पोर्टेबल विडियो कैमरा अर्थात् पोर्टपेक के आगमन से विडियो कला को एक आन्दोलन के रूप में स्वीकार किया गया । वीडियों कला कई दिग्गज , कलाकारों द्वारा (मुख्यतया नेम जून पाईक) द्वारा निर्मित की गई । कई संबंधित महंगे विड़ियो यन्त्रों ने जोन जोनास (Joun Jonas), विटो एकोंकी (Vitor Acconci) विलियम वेग्मन (William Wegman) बिल बोइला (Bill Viola) तथा ब्रुस न्यूमन (Bruce Maulhan) जैसे कलाकारों का ध्यान खींचा। इनके एक पीढी के बाद वेब ब्राउजर ने न्यू मीडिया कला को एक आन्दोलन के रूप में प्रेरित कर दिया। न्यू मीडिया कलाकारों ने इन्टरनेट उसी प्रकार इस्तेमाल किया जिस प्रकार उनमें पूर्व के कलाकारों ने पोर्टेबल विड़ियों कमरे का प्रयोग एक कलात्मक टूल के रूप में , तकनीक और संस्कृति के बीच के संबंधों की चुनौतियों को खोजने के लिए किया । 1994 से 1997 तक , जब नेट कला पहली बार केसल जर्मनी की डॉक्यूमेण्टाग प्रदर्शनी में शामिल की गई न्यू मीडिया कला पूरी दुनिया के लिए अपरिचित थी। ईमल सूचियों व वेब साइट ने भी विचार – विमर्श , वार्ताओं , प्रचार तथा प्रदर्शनियों के लिए न्यू मीडिया कला कार्यो की कई समानान्तर मंच उपलब्ध कराये। जहां कलाकार कई ऑनलाइन कला दृश्यों

का निर्माण कर सकते है जो समकालीन कला व डिजिटल संस्कृति की दुनिया को बनाये रखें । इसकी इंटरनेट से अति निकट संबंध होने की वजह से न्यू मीडिया कला भाुरूआत से ही दुनिया में प्रचलित रही। इसकी इंटरनेट से अति निकट संबंध होने की वजह से न्यू मीडिया कला शुरूआत से ही दुनिया में प्रचलित रही।

न्यू मीडिया कला के अन्य रूपों या शैलियों से तुलना करें तो नेट आर्ट निर्मिती कम खर्चीली है । तथा सीमित आर्थिक सुविधाओं के भी कलाकार इसका प्रयोग कर सकते है। कई मूल तकनीक जैसे –। pache Web Server तथा Hypertext Markup Language (HTML) मुफ्त में उपलब्ध हुये । सभी कलाकारों को नेट आर्ट निर्मिति के लिए विचारों और तकनीकी कुशलता के अतिरिक्त एक कम्प्यूटर (यहाँ तक की पुराना भी) एक मोडेम और मात्र एक इन्टरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। हालांकि इस तरह के कनेक्शन उनके लिये थोड़े महंगे हो जाते है जो ऐसे देशों में रहते है जहाँ स्थानीय टेलीफोन शुल्क अधिक हो। कई न्यू मीडियाकलाकार इन्टरनेट को प्रयोग करने के लिए मुफ्त सार्वजनिक पुस्तकालयों , विश्वविद्यालयों तथा कॉर्पोरेशन जैसी जगहों का प्रयोग कर लेते है। न्यू मीडिया कलाकारों के लिए प्रोग्रामर अथवा वेबसाइट डिजाइनर निर्माण को सामग्री उपलब्ध कराते है जैसे– कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, अच्छी स्पीड वाले इन्टरनेट कनेक्शन तथा कुछ हद तक अच्छा प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाते है। अन्य नये माध्यम जैसे सॉफ्टवेयर कला, गेम कला, न्यू मीडिया इन्स्टालेशन तथा न्यू मीडिया परफॉर्मेंस भी न्यू मीडिया कला की ही शैलियाँ है। कई बार कोई निजी कला कार्य इन तमाम विधाओं की सीमा रेखा धूमिल भी कर देता है। जैसे कई गेम कला में वेब जनित तकनीकों का प्रयोग किया जाता है और ऑनलाइन ही खेला भी जाता है । आज पूरी दुनिया इस छोटे से बक्से जिसे लैपटॉप कहते है या उससे भी छोटा मोबाइल, में समा गई है। जहाँ तत्काल प्रतिक्रिया हो जाया करती है। यहाँ इतिहास, वर्तमान, अनुभव व चेतना के जरिए सच्चाई का नया विश्लेषण होता है। दुनिया में दृश्य कलाओं का नेतृत्व अब नवीन मीडिया के कलाकारों के हाथों में समाया हुआ प्रतीत हो रहा है।

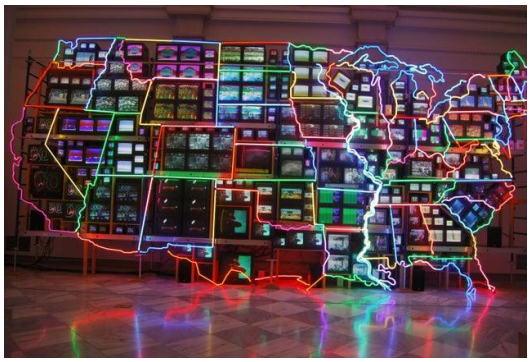

आकृति 1–इलेक्ट्रोनिक सुपर हाईवे, नेम जून पाईक, स्मिथ–सोनियन अमेरिकन आर्ट म्यूजियम

आकृति 2–वाल्फ वोसेल (Wolf Vostell) **संस्थापन : 6 टीवी डि –कोलाज** (**6** TV De & Collage,**1963**)
स्मोलिन दीर्घा, न्यूयार्क

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Christian, Paul. Digital Art. Third. London: Thames and Hodson Ltd. 2015
2. Daudrich , Anna . Algorithmic art and its art historical- relationships .CITAR Journal, Volume 8. 2016.
3. Charta,Edizioni.The Port Huron Project: Reenactments of New Left Protest Speeches. Milan. 2010.
4. Tribe,Mark.Reena Jana, Uta Grosenick. Taschen.New Media Art Basic art series.2006ISBN 3822830410, 9783822830413
5. https://www.teseopress.com/typamuseos/chapter/refectum1-6-tv-de-collage-de-wolf-vostell-un-caso-de-estudio/,.com/bio-cv/, Access on -25-02-2021
6. http://www.medienkunstnetz.de/works/deutscher-ausblick/,Access on -21-02-2021
7. https://www.marktribestudio.com/bio-cv/, Access on -25-02-2021

❖◆❖